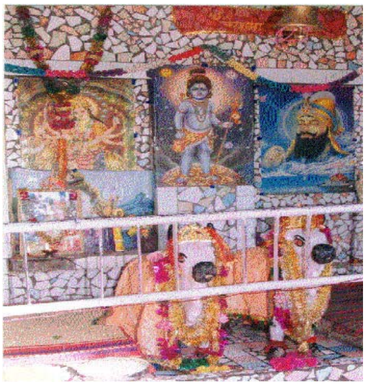

District Yamuna Nagar Tourist Arrival Places

जिला सामाजिक आर्थिक पुननिरीक्षण

कपालमोचन
जिला यमुनानगर
वर्ष 2009–10

<u>आमुख</u>

इस प्रकाशन का उद्देश्य जिला यमुनानगर के पिछले एक वर्ष में हुए सामाजिक एवं आर्थिक तथा अन्य विकास कार्यो बारे जानकारी उपलब्ध कराना है। इसमें जिला से सम्बन्धित विभिन्न विषयों विशेष कर क्षेत्रफल जनसंख्या, कृषि, सिंचाई, वन, पशुपालन, विद्युत, उद्योग, सड़क तथा परिवहन, संचार, श्रम तथा रोजगार, सहकारिता, बैंक, शिक्षा, चिकित्सा, समाज कल्याण इत्यादि के अतिरिक्त बहुत से विविध विषयों पर सूचना के साथ-साथ जनगणना 2001 अनुसार जनसंख्या की सूचना उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

यह प्रकाशन विभिन्न विभागों, अनुसंधान संस्थाओं और उन संस्थाओं एवं व्यक्तियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा जिन की जिला यमुनानगर की सामाजिक व आर्थिक समस्याओं तथा उनसे जुड़े अन्य पहलुओं में रूची है।

मै जिला यमुनानगर के विभिन्न कार्यालय अध्यक्षों, जिन्होंने इस प्रकाशन के लिए सूचना उपलब्ध कराने में सहयोग दिया के लिए आभारी हूँ। उनके सहयोग के बिना इस प्रकाशन को जारी कर पाना सम्भव नहीं था।

अन्त में मै **श्री मति रेनू, सांख्यिकीय सहायक व अनुराधा, अवर क्षेत्रीय अनुसंधाता ,जिला सांख्यिकीय कार्यालय, यमुनानगर** का इस प्रकाशन को संकलित करने तथा रिपोर्ट को इस रूप में समय पर प्रकाशित करने के लिए आभार प्रकट करता हूँ।

(सुभाष चन्द्र शर्मा)
जिला सांख्यिकीय अधिकारी,
यमुनानगर ।

तिथिः

यमुनानगर

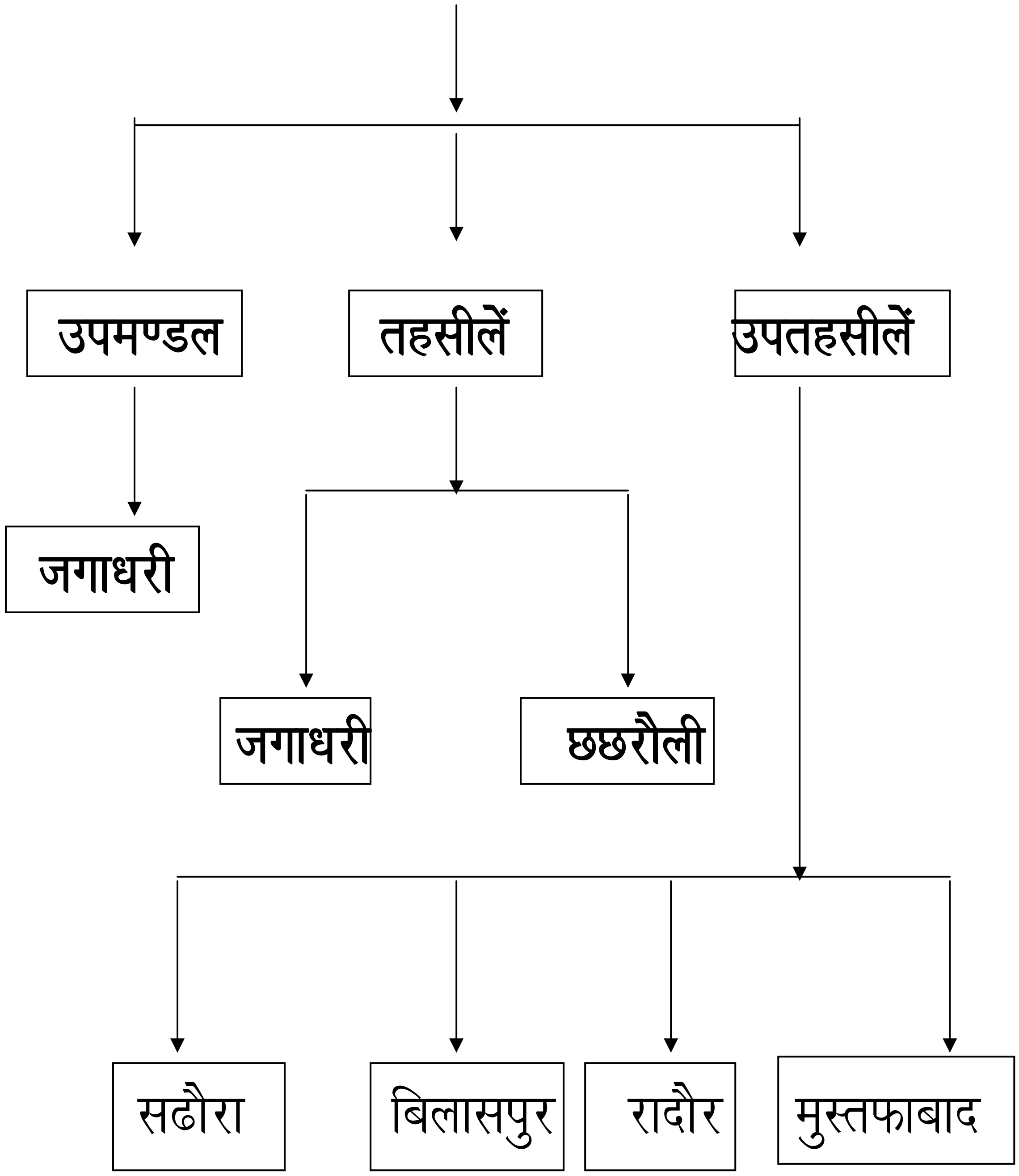

जिला सामाजिक आर्थिक पुननिरीक्षण - जिला यमुनानगर
विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या

परिशिष्ठ - 1 सामाजिक आर्थिक पुननिरीक्षण - जिला यमुनानगर		1-3
परिशिष्ठ - 2 स्थिति तथा भातिक विशेषताऐं		
1.	**स्थिति तथा भौतक विशेषताऐं**	5-6
	स्थिति	
	क्षेत्रफल तथा प्रशासनिक ढांचा	
	भौतिक विशेषताऐं- भौगोलिक स्थिति	
	खनिज सम्पदा	
	जलवायु तथा वर्षा	
	मिट्टी	
2.	**जनसंख्या**	7-11
	जनगणना के आंकड़ें	
	घनत्व	
	ग्रामीण व शहरी जनसंख्या	
	0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या	
	लिंगानुपात	
	0-6 आयु वर्ग के बच्चों में लिंगानुपात	
	साक्षरता	
	साक्षरता-ग्रामीण व शहरी	
3.	**वन**	12
	वनों के अधीन क्षेत्रफल	
4.	**कृषि**	**12**-16
	भूमि का प्रयोग	
	कृषि जोतें	
	मुख्य फसलों का उत्पादन	
	अधिक उपजाऊ किस्में	
	रासायनिक खाद का वितरण	
	पौधों की सुरक्षा के उपाय	
	कृषि यन्त्र तथा उपकरण	
	कृषि उपज बिकी संग्रहण	
	समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम	

विषय	पृष्ठ संख्या

-----5.

सिंचाई 17–18

सिंचाई के साधन

फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र

सिंचाई की सघनता

नलकूप/ पम्पिंग सैट

बाढ़

6. **पशुपालन तथा डैरी** 19

पशुधन

पशु चिकित्सालय सेवायें

डैरी 'दुग्ध उत्पादन'

7. **मछली पालन** 19

8. **विद्युत** **20**

विद्युतीकरण 'शहरी/गांव'

नलकुप

विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोग

9. **खनिज पद्धार्थ तथा उद्योग** 20–21

खनिज उत्पादन

लघु उद्योग यूनिट

बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिट

10. **सड़क तथा परिवहन** 21–22

सड़कों की लम्बाई

रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन बस स्टैण्ड की संख्या

सड़क दुर्घटनायें

11. **संचार** 22

डाकघर व तार घर

दूरभाष केन्द्र

12. **श्रम तथा रोजगार** 22–23

औद्योगिक झगड़े

रोजगार केन्द्र

मजदूरी की औसत दैनिक आय

13. **सहकारिता** 23–24

14. **बैंक** 24

विषय **पृष्ठ संख्या**

15.	**शिक्षा**	25–27
	विद्यालय तथा महाविद्यालय	
	अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	
	इन्जिनियरिंग कालेज	
	विद्यार्थियों की सख्ंया, लिंगानुपात	
16.	**चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य**	28
	स्वास्थ्य सेवायें	
	परिवार कल्याण प्रोग्राम	
	सुरक्षित पेयजल	
17.	**कल्याण विभाग 'अनुसूचित जातियों व पिछड़े वर्ग'**	29–30
	वृद्धावस्था एंव अन्य पैशन	
18.	**विविध**	30–34
	नगरपालिकाएं	
	जिला राजस्व	
	रजिस्ट्रीकरण	
	पुलिस तथा अपराध	
	हरियाणा सरकार के कर्मचारी	
	टेलीविजन सैट	
	बचत	
	विकेन्द्रीकरण योजना	
	खेलकूद	
	चुनाव तथा मतदाता	
परिशिष्ठ - 3	**जिला एक दृष्टि में**	35–36

परिशिष्ठ-1

जिला सामाजिक आर्थिक पुनर्निरीक्षण-जिला यमुनानगर

जिला यमुनानगर 1 नवम्बर 1989 को अस्तिव में आया इससे पूर्व यह जिला अम्बाला का एक भाग था । जिला यमुनानगर में पूर्व में उतर प्रदेश का जिला सहारनपुर, पश्चिम में अम्बाला, हिमाचल प्रदेश का जिला सिरमौर ,उतर में करनाल व कुरुक्षेत्र दक्षिण दिशा में स्थित है। यह 77^0 17'उत्तर पश्चिम में पूर्वी समानांतर भाग के बीच 30^0 07' उतरी अक्षांश में स्थित है । इसकी समुद्र तल से उचाई 274 मीटर है । यह यमुना नदी के किनारे स्थित होने के कारण यमुनानगर के नाम से कहलाता है । इसका पुराना नाम अब्बदुलापुर था ।

1. जिला यमुनानगर में 2001 की जनगणना के आधार पर कुल 639 गांव है जिसमें 613 आबाद व 26 बेचिराग है । जिला यमुनानगर को 6 सामुदायिक विकास खण्डों , जगाधरी, छछरौली, बिलासपुर, सढौरा,रादौर व मुस्तफाबाद में बांटा गया है । जिला यमुनानगर में 3 तहसीलें जगाधरी, छछरौली व बिलासपुर एवं 3 उपतहसीले सढौरा, रादौर एंवम मुस्तफाबाद है । जिला यमुनानगर में 2 उपमण्डल जगाधरी व बिलासपुर है । प्रशासनिक कार्यालय यमुनानगर में ही स्थित है । जिला यमुनानगर का कुल क्षेत्रफल 1768 वर्ग किलोमीटर है । जो हरियाणा राज्य का 3.99 प्रतिशत है । 2001 की जनगणना के अन्तिम आंकडों के आधार पर जिले की जनसंख्या 1041630 हो गई है इसमें 559444 पुरुष है व 482186 स्त्रियां है । जिले का लिगांनुपात 862 है । तथा साक्षारता दर 71.63 प्रतिशत है ।

2. जिला यमुनानगर की जलवायु निश्चितता लिए हुए है । अर्थात यहां पर गर्मियों में अधिक गर्मी तथा सर्दियों में अधिक सर्दी होती है । गर्मियों में यहां का तापमान अधिकतम 45 डिग्री सैलिसियस तक पहुच जाता है । तथा सर्दियों में 3 डिग्री सै0मी0 तक गिर जाता है । जिला यमुनानगर में 2003-07 के दौरान 5 वर्षीय औसत सामान्य वर्षा 782.42 मि0मी0 रिकार्ड की गई जबकि वर्ष 2007 के दौरान वार्षिक औसत वर्षा 633.9 मि0मी0 रिकार्ड की गई है ।

3. वर्ष 2007-08 में गांव के प्रपत्रो के अनुसार जिले का कुल क्षेत्रफल 172 हजार हैक्टेयर है। वर्ष 2008-09 में कृषि योग्य भूमि का क्षेत्रफल 128 हजार हैक्टेयर है जो कुल क्षेत्रफल का 74.42 प्रतिशत है। निवल बोया गया क्षेंत्र 125 हजार हैक्टेयर है जो कृषि योग्य भूमि का 97.66 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र 89 हजार हैक्टेयर है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 71.20 प्रतिशत है। इस प्रकार 2008-09 में कुल बोया गया क्षेत्र 214 हजार हैक्टेयर है। कुल बोये गये क्षेत्र में से खाद्यानों के अन्तर्गत 65.97 प्रतिशत, दालों के अधीन 1.07

प्रतिशत, नकदी फसलों गन्ना, तेल बीज, कपास तथा आलु के अधीन 22.33 प्रतिशत क्षेत्र है। ध1न के अधीन 28.79 प्रतिशत क्षेत्र है । इसके बाद गेहूँ का स्थान आता है जो 36.16 प्रतिशत है।

4. जिले में 7 नियमित मण्डियां व 10 सब यार्ड है। इन मण्डियों में मुख्य आमदन गेहूँ, जीरी तथा आलू की है। जिले में अनाज संग्रहण करने के लिए गोदाम काफी संख्या में उपलब्ध हैं।

5. वर्ष 2008-09 में नलकूप तथा पम्पिंग सैट जिले में सिंचाई के मुख्य साधन रहे । जिनसे निवल सिंचित क्षेत्र का 89.10 प्रतिशत क्षेत्र नलकूपों द्वारा सिंचित किया गया तथा शेष 10.09 प्रतिशत नहरों व अन्य साधनों द्वारा सिंचित किया गया। वर्ष 2008-09 में टयूबवैल तथा पम्पिंग सैट की संख्या 31163 रही। सिंचाई की क्षमता का मुख्य भाग गेहूँ तथा ध1न की फसलों में प्रयोग किया जाता है।

6. जिला यमुनानगर के सभी गांवों व कस्बो का विद्युतीकरण हो चुका है तथा लगभग सभी गांव पक्की सड़कों से जोड़े गये हैं।

7. सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां यमुनानगर के अनुसार वर्ष 2009-10 में जिले में सभी प्रकार की 853 सहकारी समितियां हैं, जिनकी सदस्यता 244969 है जिसके अनुसार प्रति लाख व्यक्तियों के पीछे 88 समितियां कार्यरत है।

8. जिला यमुनानगर में चिकित्सा सेवाऐं विभिन्न संस्थाओं जैसे कि राज्य सरकार, स्थानीय निकाय तथा ऐच्छिक संस्थाओं द्वारा प्रदान की जाती हैं। जिले में वर्ष 2009-10 में 4 अस्पताल, 12 डिस्पैंसरिया, 4 सामुदायिक केन्द्र व 18 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र है । जिले में 16 आयुर्वेदिक व 3 युनानी संस्थाए है । इन अस्पतालो मे बिस्तरों कि सख्यां 422 है। जिनमें 605644 रोगीयों का उपचार किया जाता है। जिला यमुनानगर में सभी परिवार कल्याण केन्द्र सुचारु रुप से चल रहे है । वर्ष 2009-10 में परिवार नियोजन केसो की सख्या 2616 व आई.यू. डी. 6852 रही है ।

9. वर्ष 2008-09 में जिला यमुनानगर में 862 प्राथमिक 'पूर्व-प्राथमिक बालवाड़ी सहित', 276 माध्यमिक तथा 312 उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हैं। जिनमें 11 प्राथमिक, 2 माध्यमिक तथा 9 उच्च व वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय केवल महिलाओं के लिए हैं। इन विद्यालयों में 249806 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की गई। इनमें से 63452 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के थे। उपरोक्त स्कूलों में 8897 अध्यापक कार्यरत रहे। जिले में वर्ष 2008-09 में प्राथमिक स्तर पर 30 विद्यार्थी प्रति अध्यापक, माध्यमिक स्तर पर 52 विद्यार्थी प्रति अध्यापक, उच्च स्तर पर 28 विद्यार्थी प्रति अध्यापक तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर 21 विद्यार्थी प्रति अध्यापक अनुपात रहा।

10. इसके अतिरिक्त वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 8 कला तथा विज्ञान महाविद्यालय कार्यरत हैं। वर्ष 2009-10 में कुल 17713 विद्यार्थी डिग्री स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे है जिनमें 2142 विद्यार्थी अनुसूचित जाति के हैं।

11. जिला यमुनानगर में दो इंजिनियरिग , एक दन्त चिकित्सा महाविद्यालय, 6 औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान भी विभिन्न पाठयक्रमों में शिक्षा प्रदान कर रहे है । इसके अतिरिक्त चार राजकीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थाएं भी शिक्षा प्रदान कर रही है ।

BLOCK WISE NO. OF VILLAGES IN DISTT. YAMUNANAGAR
CENSUS 2001

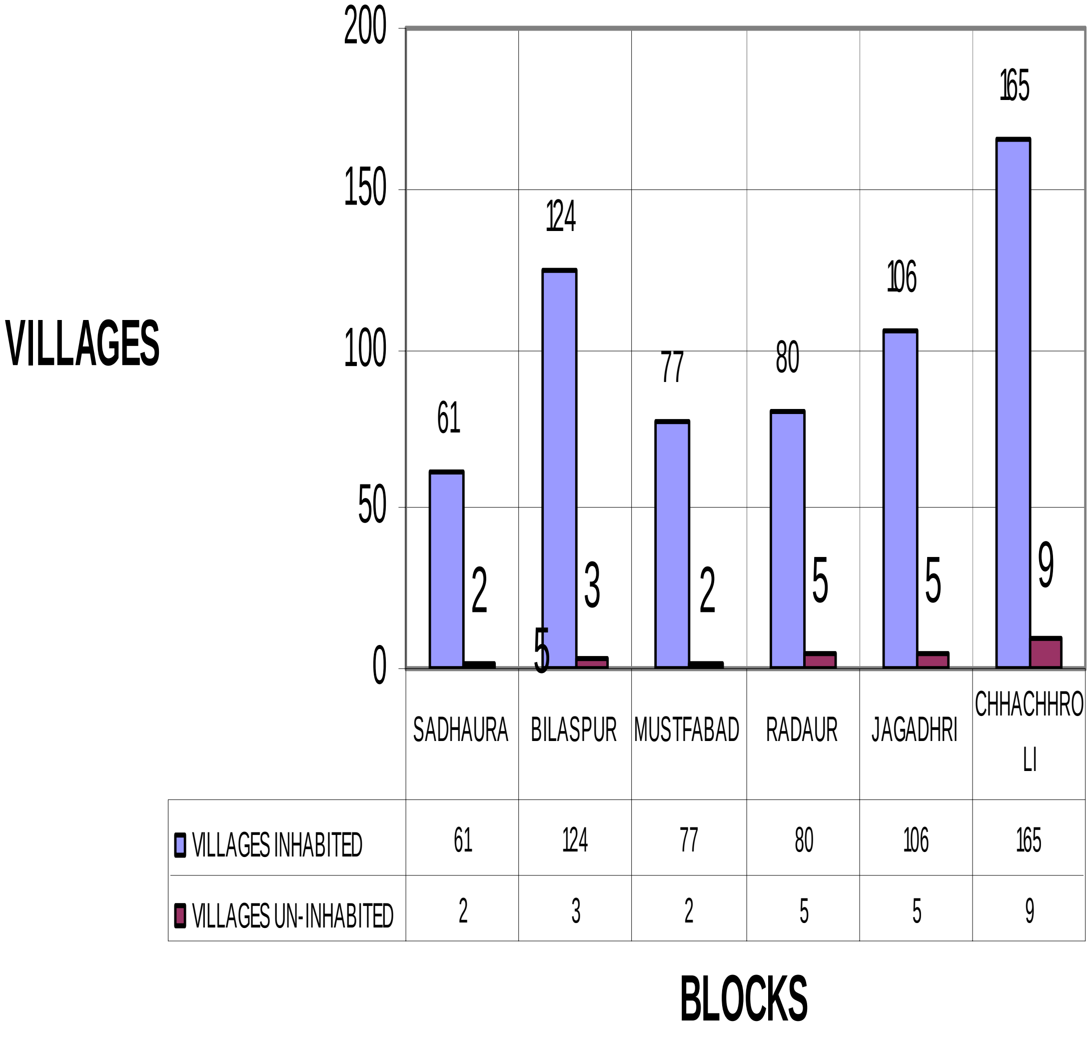

परिशिष्ठ -2

स्थिति तथा भौतिक विशेषतायें

1. स्थिति :-

जिला यमुनानगर हरियाणा के उतर पश्चिम में 77^0 17' पूर्वी समानान्तर भाग के बीच 30^0 07' उत्तरी अक्षांश में स्थित है। इसकी समुद्र तल से उचांई 274 मीटर है । इसके पूर्व में उतर प्रदेश का जिला सहारनपुर , पश्चिम में अम्बाला , हिमाचल प्रदेश का जिला सिरमौर , उतर में करनाल व कुरुक्षेत्र दक्षिण दिशा में स्थित है ।

2. क्षेत्रफल तथा प्राशासनिक ढांचा :-

जिला यमुनानगर का कुल क्षेत्रफल 1768 वर्ग कि0 मी0 है । जो हरियाणा राज्य का 3.99 प्रतिशत है जिलें में 3 तहसीलें जगाधरी, छछरौली व बिलासपुर एवं 3 उपतहसीले सढौरा, रादौर एंवम मुस्तफाबाद है । जिला यमुनानगर में 2 उपमण्डल जगाधरी व बिलासपुर है । प्रशासनिक कार्यालय यमुनानगर में ही स्थित है ।

3. जिला यमुनानगर में, जनगणना 2001 के आधार पर, कुल 639 गांव है। जिसमें 613 आबाद व 26 बेचिराग हैं व सभी गांव 6 सामुदायिक विकास खण्डों के अधीन आते हैं। तहसील जगाधरी के अन्तर्गत जगाधरी, रादौर, व मुस्तफाबादए तहसील बिलासपुर के अन्तर्गत खण्ड बिलासपुर व सढौरा तथा तहसील छछरौली के अन्तर्गत छछरौली खण्ड आता है। जिला यमुनानगर में 2 नगर परिषद् व 467 ग्राम पंचायतें है। जिसमें 467 सरपंच व 3755 पंचायत सदस्य हैं। जिला यमुनानगर में 7 मार्किट कमेटियां व इसके अतिरिक्त 10 सब यार्ड हैं।

4. भौगोलिक स्थिति :-

जिला यमुनानगर में कई तरह के धरातल पाए जाते हैं। जैसे शिवालिक पहाड़िया, पर्वतीय क्षेत्र एवं वादियों का समतल क्षेत्र छछरौली तहसील के साथ लगता है तथा इसमें पहाड़ी क्षेत्र भी पाया जाता है। क्लेसर क्षेत्र की भूमि में वन पाए जाते हैं।

5. खनिज सम्पदा :-

खनिज पदार्थों के लिए जिला यमुनानगर में पहाड़ी क्षेत्र में लगने के कारण पिछड़ा हुआ है। जिले में बजरी निकालने के स्त्रोत यमुना नदी तथा मारकण्डा है।

6. जलवायु तथा वर्षा :-

जिला यमुनानगर का मौसम गरमियों में अधिक गर्म है तथा सर्दियों में अधिक ठण्डा रहता है। मई तथा जून के महीने में सबसे अधिक गरमी होती है। इन दिनों में तापमान 43 डिग्री सै0 ग्रे0 से 45 डिग्री सै0 ग्रे0 तक होता है। दिसम्बर से फरवरी तक बहुत ठण्ड पड़ती है। इस दौरान तापमान 3 डिग्री सै0 ग्रे0 तक गिर जाता है। वर्ष 2004 से 2008 तक 5 वर्षो की औसत मासिक सामान्य वर्षा 819.26 मि0मी0 रही ।

7. मिट्टीः-

जिला यमुनानगर में कई प्रकार की मिट्टी पाई जाती है। जिले के पहाड़ी क्षेत्र में औसत वर्षा 900-1100 मि0मी0 है। इसमें उदासीन प्रतिक्रिया वाली मिट्टी पाई जाती है। जिसमें नाईट्रोजन तथा फासपफोरस की कमी होती है। इस क्षेत्र में लाल मिट्टी भी पाई जाती है तथा जमीन अधिक वर्षा के कारण कटाव में कट जाती है। शिवालिक के उप-पर्वतीय क्षेत्र में दोमट मिट्टी उल्टोक्रिस्टल है। जिसके कारण भूमि में कंकर, पत्थर पाए जाते हैं।

“जनसंख्या”

जनगणना 2001 के अन्तिम आंकड़ों के आधर पर

8. जनगणना के आंकड़ें :-

जिला यमुनानगर की जनसंख्या, जनगणना 2001 के आंकड़ों के आधार पर, 1041630 है जिसमें पुरूष 559444 व स्त्रियां 482186 है। जबकि 1991 की जनगणना के आधार पर जिले की जनसंख्या 806279 थी जिसमें 428232 पुरूष व 378047 स्त्रियां थी। 1991–2001 की अवधि में जिले की जनसंख्या में 29.2 प्रतिशत दशकीय वृद्घि हुई है। हरियाणा राज्य की दशकीय वृद्घि दर में भी बढौतरी हुई है। यह दर 1991–2001 में 28.4 प्रतिशत हो गई।

तालिका :- जिले की जनसंख्या : जनगणना 2001

	कुल जनसंख्या	पुरूष	स्त्रियां
ग्रामीण	648608	347540	301068
शहरी	393022	211904	181118
कुल जनसंख्या	1041630	559444	482186

9. घनत्वः-

भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा दिए गए भौगोलिक क्षेत्र के आंकड़ों के अनुसार जिले का क्षेत्रफल 1768.00 वर्ग कि0मी0 है। जो राज्य के क्षेत्रफल का 3.99 प्रतिशत है। जनगणना 2001 के आधार पर राज्य की 4.92 प्रतिशत जनसंख्या यहां रहती है। जनगणना 2001 के आधार पर जिले का घनत्व 589 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है। 1991 की जनगणना अनुसार जिले का घनत्व 468 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 था। हरियाणा राज्य का घनत्व 1991 में 372 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 तथा 2001 में 478 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 हो गया है।

10. ग्रामीण व शहरी जनसंख्या :-

जनसंख्या 2001 के अन्तिम आंकड़ों के अनुसार जिला की लगभग 62 प्रतिशत जनसंख्या अर्थात् 648608 ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। जिसमें 347540 पुरूष तथा 301068 स्त्रियां हैं। जिला की शहरी जनसंख्या 393022 जो कुल जनसंख्या का 38 प्रतिशत है जिसमें 211904 पुरूष व 181118 स्त्रियां है।

ग्रामीण क्षेत्रो में तहसील जगाधरी की 507505 जनसंख्या में 271881 पुरूष व 235624 स्त्रियां, छछरौली की 141103 जनसंख्या में 75659 पुरूष व 85444 स्त्रियां, जबकि शहरी क्षेत्रो में तहसील जगाधरी की 383312 जनसंख्या में 206902 पुरूष व 176410 स्त्रियां, छछरौली की 9710 जनसंख्या में 5002 पुरूष व 4708 स्त्रियां हैं।

जिला की ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 648608 जो 1991 में 529352 थी। इस तरह ग्रामीण जनसंख्या में 22.5 प्रतिशत दशकीय वृदि हुई। जिला की शहरी जनसंख्या 1991 में 276927 से बढ़कर 2001 में 393022 हो गई। अतः शहरी जनसंख्या में 41.9 प्रतिशत दशकीय वृदि हुई ।

11. 0–6 आयु वर्ग की जनसंख्या :-

जिला यमुनानगर की जनगणना में 1991 में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या कुल जनसंख्या का 17.54 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2001 में 14.40 प्रतिशत रह गई है। जनगणना 2001 में 0–6 आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 150008 है जबकि 1991 में राज्य की 0-6 आयु वर्ग बच्चों की कुल जनसंख्या का 18.98 प्रतिशत से घटकर जनगणना 2001 में कुल जनसंख्या का 15.77 प्रतिशत रह गई है।

जिला के ग्रामीण क्षेत्रा में 0–6 आयुवर्ग के बच्चों की जनसंख्या 100409 है जो कुल ग्रामीण जनसंख्या का 15.48 प्रतिशत है तथा शहरी क्षेत्र में यह संख्या 49599 है जो की कुल शहरी जनसंख्या का 12.61 प्रतिशत है।

12. लिंगानुपातः-

जिला यमुनानगर में जनगणना 2001 के अनुसार प्रति हजार पुरूषों पर 862 महिलाओं का अनुपात है जो 1991 में 883 था। इससे स्पष्ट है कि स्त्री पुरूष अनुपात में 1991 की तुलना में 2001 में गिरावट आई है। हरियाणा राज्य में यह अनुपात 861 है जो सभी राज्यों में सबसे कम स्तर पर पहुँच गया है।

जिला यमुनानगर में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में यह अनुपात क्रमशः 866 तथा 855 है। जो 1991 में क्रमशः 885 व 879 था। ग्रामीण क्षेत्र में स्त्री पुरूष अनुपात तहसील जगाधरी, छछरौली में क्रमशः 861, 870 तथा शहरी क्षेत्रा के स्त्री पुरूष अनुपात तहसील जगाधरी, छछरौली में क्रमशः 853, 941 हैं।

13. <u>0–6 आयुवर्ग के बच्चों में लिंगानुपात</u> :-

जिला का 0–6 आयुवर्ग के बच्चों का लिंगानुपात 806 है। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में यह अनुपात क्रमशः 814 तथा 789 है। ग्रामीण क्षेत्रें दो तहसीलें जगाधरी तथा छछरौली में क्रमशः 804, 846 तथा शहरी क्षेत्र में दो तहसीलों जगाधरी तथा छछरौली में क्रमशः 788, 825 है।

14. <u>साक्षरता</u> :-

जनगणना 2001 में जिला यमुनानगर में 638711 व्यक्ति साक्षर है जिसमें 375462 पुरूष तथा 263249 स्त्रियां है। जनगणना 2001 में जिला में 71.63 प्रतिशत की साक्षरता दर दर्ज की गई। जिला में पुरूष साक्षरता दर 78.82 स्त्री साक्षरता दर 63.39 की तुलना में अधिक रही। जबकि 1991 की जनगणना अनुसार जिला में 60.53 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर थे। पुरूष साक्षरता दर 69.76 प्रतिशत तथा स्त्री की साक्षरता दर 50.07 प्रतिशत थी। जनगणना 2001 के अनुसार राज्य की साक्षरता दर 67.90 है। पुरूष तथा स्त्री साक्षरता दर क्रमशः 78.49 तथा 55.73 है।

15. <u>साक्षरता ग्रामीण व शहरी</u> :-

2001 की जनगणना अनुसार जिला में ग्रामीण क्षेत्र में 65.35 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर हैं। जिनमें 74.43 प्रतिशत पुरूष तथा 55.32 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर है। शहरी क्षेत्र में 81.67 प्रतिशत व्यक्ति साक्षर है। जिनमें 86.26 प्रतिशत पुरूष तथा 76.37 प्रतिशत स्त्रियां साक्षर हैं। जबकि 1991 की जनगणना अनुसार ग्रामीण व शहरी स्तर पर साक्षरता दर क्रमशः 52.73 तथा 75.47 प्रतिशत थी।

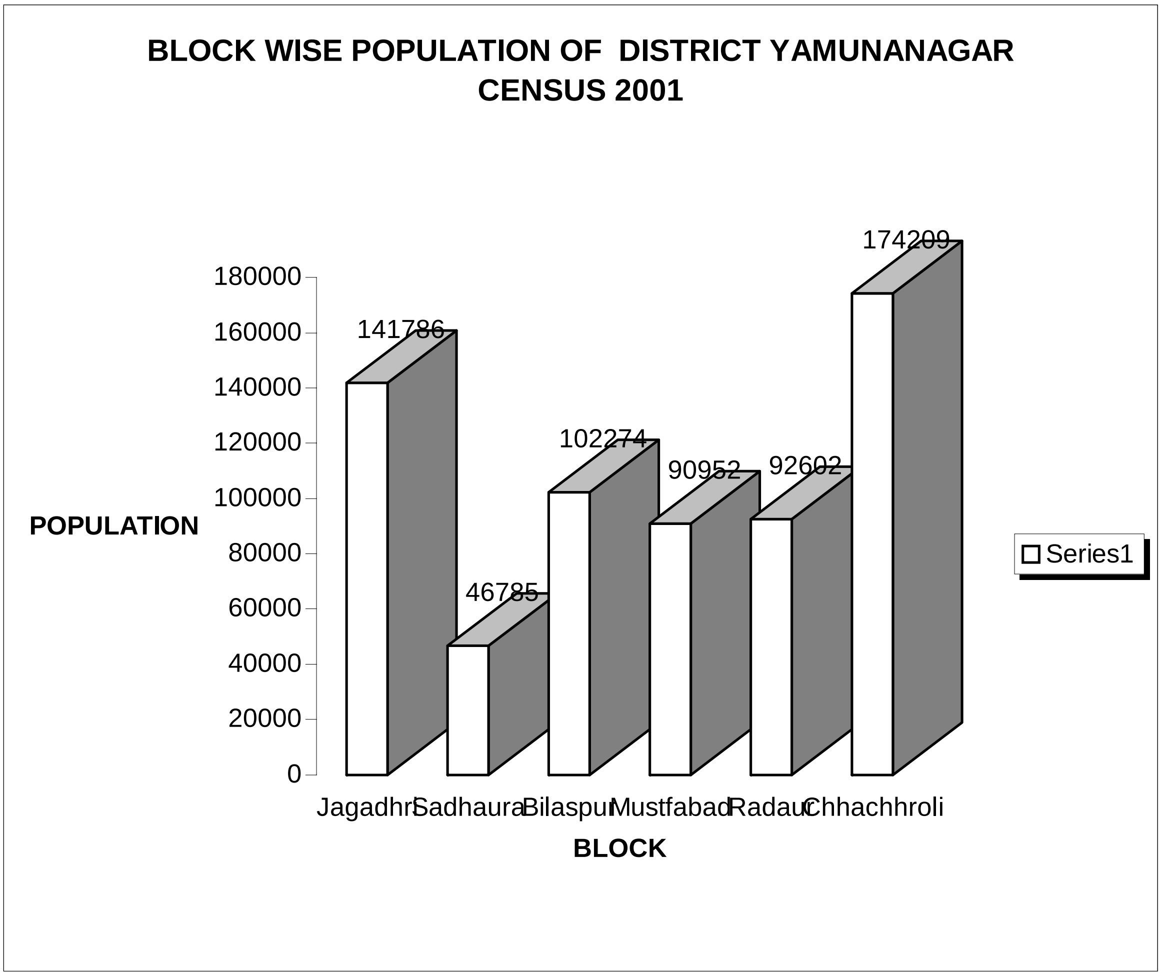
BLOCK WISE POPULATION OF DISTRICT YAMUNANAGAR
CENSUS 2001
POPULATION
180000
160000
140000
120000
100000
80000
60000
40000
20000
0
141786
46785
102274
90952
92602
174209
Jagadhri
Sadhaura
Bilaspur
Mustfabad
Radaur
Chhachhroli
BLOCK
Series1

‘वन’

16. वनों के अधीन क्षेत्रफलः-

वन विभाग के अनुसार जिले में वर्ष 2009-10 में लगभग 218 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र वनों के अधीन था जिसमें से 204 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र राज्य वनों के अधीन तथा 14 वर्ग किलो मीटर क्षेत्र निजी वनों के अधीन है। जो कुल राज्य वन क्षेत्रफल का 93.58 प्रतिशत है। इस समय जिला में 70 वर्ग कि0 मी0 आरक्षित राज्यवन क्षेत्र तथा 131 वर्ग कि0 मी0 संरक्षित राज्य वन क्षेत्र में आता है।

‘कृषि’

17. भूमि का प्रयोगः-

वर्ष 2008-09 में गांव पत्रों के अनुसार जिला यमुनानगर का कुल क्षेत्र 172 हजार हैक्टेयर है जिसमें से 8.72 प्रतिशत वनों के अधीन 18.02 प्रतिशत चरागाह व गैर-कृषि प्रयोजनों इत्यादि में तथा 72.67 प्रतिशत निवल बोये गये क्षेत्र के अधीन रहा।

18. वर्ष 2008-09 में कृषि योग्य भूमि 128 हजार हैक्टेयर है, जबकि बोया गया निवल क्षेत्र 125 हजार हैक्टेयर है जो कृषि योग्य भूमि का 97.66 प्रतिशत है। एक बार से अधिक बार बोया गया क्षेत्र 89 हजार हैक्टेयर है जो निवल बोये गये क्षेत्र का 71.20 प्रतिशत है। वर्ष 2008-09 में जिला यमुनानगर में कुल काश्त क्षेत्र 214 हजार हैक्टेयर रहा।

19. तहसील जगाधरी व छछरौली में निवल बोया गया क्षेत्र क्रमशः 1015 व 264, 00 हैक्टेयर है। जो कुल क्षेत्र का 78.6 प्रतिशत व 55.7 प्रतिशत है। यद्यपि जिला यमुनानगर का क्षेत्रफल केवल 1768 वर्ग कि0मी0 है परन्तु खाद्यान्न उत्पादन में सर्वप्रथम रहता है।

20. कृषि जोतें :-

कृषि गणना 2000-01 के अनुसार जिला यमुनानगर में कुल 56178 कृषि जोते कार्यरत थी। इन 56178 जोतों में से 67.60 प्रतिशत जोते 2 या 2 हैक्टेयर से कम की, 22.28 प्रतिशत जोतें 2 से ऊपर व 5 या 5 से कम, 7.65 प्रतिशत 5 से ऊपर व 10 या 10 हैक्टेयर से कम, 2.05 प्रतिशत 10 से ऊपर व 20 या 20 हैक्टेयर से कम व 0.42 प्रतिशत 20 हैक्टेयर तथा उससे ऊपर की थी।

21.   जिला यमुनानगर की रबी की मुख्य फसलें गेहूँ व जौं तथा खरीफ की मुख्य फसलें, धान तथा मक्की है। वर्ष 2007-08 में कुल बोये गये निवल क्षेत्र में से 59.4 हजार हैक्टेयर, 46.41 प्रतिशत धान के अधीन रहा तथा 74.5 हजार हैक्टेयर 58.20 प्रतिशत गेहूँ के अधीन रहा व 41.9 हजार हैक्टेयर, 32.73 प्रतिशत गन्ना बोया गया है। जबकि वर्ष 2006-07 में कुल क्षेत्र में से 71.3 हजार हैक्टेयर में गेहूँ व 59.4 हजार हैक्टेयर में धान व 42.2 हजार हैक्टेयर में गन्ना बोया गया था ।

22. मुख्य फसलों का उत्पादन :-

फसलों के आर्थिक उत्पादन में प्राकृतिक साधनों जैसे वर्षा, जलवायु तथा भूमि ऊपजाऊ शक्ति का मुख्य योगदान रहा है। जिले की मुख्य फसलें गेहूँ तथा धान है।

वर्ष 2008-09 में गेहूँ का उत्पादन 345 हजार टन, चावल का उत्पादन 221 हजार टन था तथा गुड़ का उत्पादन 148.4 हजार टन था तथा चावल की औसत उपज 3070 कि0 ग्रा0, गेहूँ की 4057 कि0ग्रा0 एवं गुड़ की 5117 कि0ग्रा0 प्रति हैक्टेयर रही।

तालिकाः- मुख्य फसलों की औसत उपज कि0ग्रा0 प्रति हैक्ट0

फसल	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
गेहूँ	3668	3415	3396	3682	4155	3771	4057
चावल	3020	3010	3229	3396	3615	3839	3070
मक्की	1779	2384	2362	2381	2408	2702	2203
गुड़	5944	5906	6848	6618	6890	5422	5117

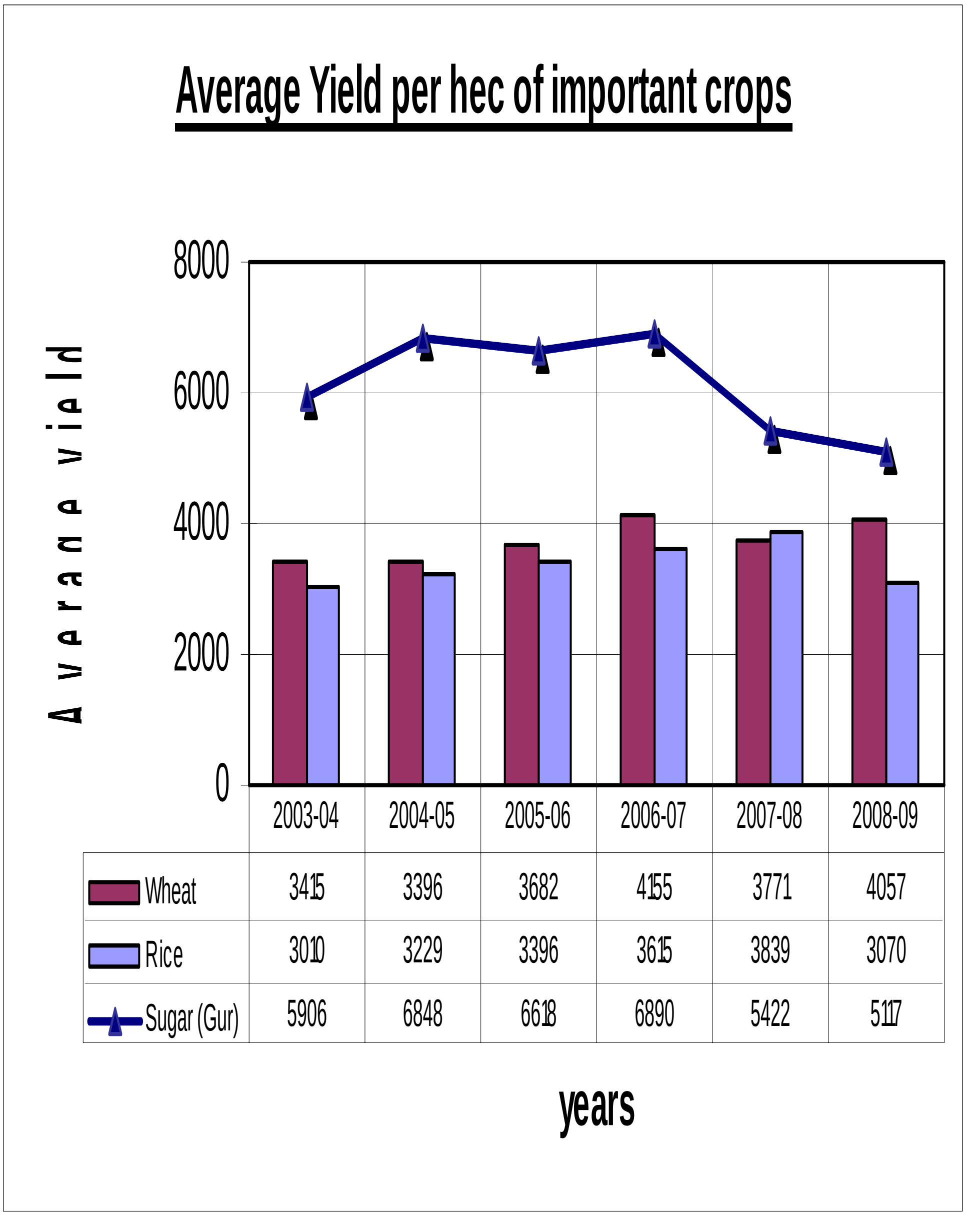

23. <u>अधिक उपजाऊ किस्में :</u>-

जिला यमुनानगर में गेहूँ तथा ध1न की अधिक उपजाऊ किस्मों के बीजों का प्रयोग रहा है। वर्ष 2008-09 में गेहूँ के अधीन 99.1 प्रतिशत क्षेत्र जबकि ध1न के अधीन 83.7 प्रतिशत क्षेत्र में अधिक उपजाऊ बीजों का प्रयोग हुआ।

वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 192469 टन गेहूँ तथा 311779 टन ध1न की सरकारी एजंसियो द्वारा खरीद की गई ।

24. <u>रासायनिक खाद का वितरण</u>:-

वर्ष 2009-10 में कुल खाद का उपयोग 76483 टन रहा। उपयोग में नाईट्रोजन 53927 टन तथा फास्फोरस 15424 टन जबकि पोटास का उपयोग केवल 7132 टन रहा ।

25 पौधें की सुरक्षा के उपाय :-

वर्ष 2009-10 में 300 टन किटनाशक दवाईयों का उपयोग किया गया। जो मुख्यतः गेहॅू तथा ध1न की फसलों के अधीन क्षेत्र में किया गया ।

26. कृषि यन्त्र तथा उपकरण :-

पशुगणना 2003 के अनुसार जिले में उपयोग किए गये कृषि यन्त्र तथा उपकरणों में ट्रैक्टरों की संख्या 17505 थी। कम्बाईन हारवैस्टर की संख्या 869 थी जिसमें से 189 कम्बाईन हारवैस्टर ट्रैक्टर चलित तथा 680 स्वयं चालित कम्बाईन हारवैस्टर थी। वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 11974 चार पहियों वाले ट्रैक्टर कृषि के कार्य में प्रयोग रत रहे।

27. कृषि उपज बिक्री संग्रहण :-

वर्ष 2009-10 में यमुनानगर में कृषि उपज की पूर्ति के लिए 7 मार्किट कमेटियां तथा 10 सबयार्डस द्वारा बिक्री एवं खरीद करवाई गई। जिसमें मुख्य आमद जीरी, गेहूँ, सूर्यमुखी तथा आलु की फसल रही। इन सभी मण्डियों में वर्ष 2009-10 में 716900 टन कुल कृषि उत्पादन की आमद रही। जबकि 2008-09 में कुल कृषि उत्पादन की आमद 570600 टन थी।

28. वर्ष 2009-10 के दौरान इन सभी मण्डियों में गेहूँ की आमद 194400 टन ,ध1न की आमद 347900 टन तथा आलु की आमद 13500 टन रही। सुरजमुखी की आमद 23600 टन रही।

तालिका :- जिला यमुनानगर में कृषि उत्पादन की आमद ‘00’टन में

फसल	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10
गेहूँ	1005	1113	1021	817	825	1336	1944
धान	1796	2012	2297	2083	2262	2540	3479
आलू	196	168	171	177	172	204	135
सूरजमुखी	8	27	24	24	9	42	236
अन्य	1235	757	1296	1398	1649	1584	1375
कुल	4240	4047	4809	4499	4917	5706	7169

29. इन मण्डियों में किसानों के रात को ठहरने के लिए किसान विश्राम गृह है तथा इसके अतिरिक्त पीने के पानी, पशुशाला इत्यादि की सुविधायें भी प्रदान की जाती हैं।

30. जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 में सरकारी गोदामों की क्षमता 172000 टन थी।

31. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम :-

जिला ग्रामीण विकास एजैन्सी यमुनानगर अपनी स्थापना से ही ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के अभिशाप को समाप्त करने के लिए भरसक प्रयास रहे हैं और इस दिशा में इसे न केवल शतप्रतिशत भौतिक एवं आर्थिक लक्ष्य प्राप्त करने का श्रेय है। बल्कि यह गरीब ग्रामीण परिवारों के आर्थिक स्तर में वास्तिविक वृद्धि लाने में सफल रही है। अब इस दिशा में और कारगर रूप से सक्रीय है। एजैन्सी का यह दृढ़ संकल्प है कि वह जिला यमुनानगर के हर परिवार को इतनी अधिक सहायता प्रदान करवा दें

कि वह सदा के लिए गरीबी की रेखा को पार कर लें। वर्ष 2009-10 में स्वर्ण ग्रामीण स्वरोजगार कार्यक्रम के अर्न्तगत 1486 गरीब परिवारों को 192.99 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया। जिसमें कुल 1006 अनुसूचित जाति के परिवार तथा 1296 लाभान्वित महिलायें हैं। इसके अतिरिक्त वर्ष 2009-10 में इन्दिरा आवास योजना के अर्न्तगत 1929 गरीब परिवारों को 675.15 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया। जिसमें कुल 1164 अनुसूचित जाति के परिवार हैं। इसी प्रकार वर्ष 2009-10 में कुल स्वच्छता अभियान के तहत 2300 गरीब परिवारों को 27.6 लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया। जिसमें कुल 561 अनुसूचित जाति के परिवार हैं।

'सिंचाई'

32. सिंचाई के साधनः-

वर्ष 2008-09 में निविल सिंचित क्षेत्र 125 हैक्टेयर था जो कि बोये गये निवल क्षेत्र का 100.00 प्रतिशत था। स्त्रोतानुसार सिचाई के क्षेत्र में 97.60 प्रतिशत क्षेत्र नलकूपों व अन्य साधनो से तथा 2.40 प्रतिशत नहरों का योगदान रहा । नलकूपों द्वारा कुल 122000 हैक्टेयर तथा नहरो द्वारा 3000 हैक्टेयर भूमिं की सिंचाई की गई।

33. वर्ष 2008-09 में कुल सिंचित क्षेत्र कुल बोये गये क्षेत्र का 93.90 प्रतिशत था तथा निविल सिंचित क्षेत्र कुल सिंचित क्षेत्र का भी 62.50 प्रतिशत रहा।

34. फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र :-

वर्ष 2008-09 में फसल अनुसार कुल बोया गया सिंचित क्षेत्र 200 हजार हैक्टेयर था जो की कुल काश्त अधिन क्षेत्र का 93.90 प्रतिशत था । फसल अनुसार सिंचित क्षेत्र की स्थिति इस प्रकार रही, गेहूँ के अधीन 82000 हैक्ट, ध1न के अधीन 71000 हैक्ट, गन्ने के अधीन 28000 हैक्ट, दालों के अधिन 1000 हैक्ट रहा ।

तालिकाः- जिला यमुनानगर में सिंचित क्षेत्र की स्थिति ;000 हैक्ट0

फसल	2002-03	2003-04	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
गेहूँ	61	68	69	69	68	72	82
ध1न	50	56	58	59	59	59	71
दालें	1	1	1	1	1	1	1
गन्ना	44	41	37	39	41	41	28
तेलबीज	18	18	18	17	14	15	13

35. सिंचाई की सघनताः-

वर्ष 2008-09 में जिला यमुनानगर में कुल सिंचित क्षेत्र 200 हजार हैक्टेयर तथा निवल सिंचित क्षेत्र 125 हजार हैक्टेयर था जिसके अनुसार सिंचाई की सघनता 160.00 प्रतिशत रही।

36. नलकूप/पम्पिंग सैटः-

वर्ष 2009-10 में कुल नलकूपों तथा पम्पिंग सैटों की संख्या 32147 है।

37. बाढ़ :-

जिला यमुनानगर वर्षा के दौरान यमुना नदी में अति बहाव हो जाने से बाढ़ से प्रभावित हो जाता है जबकि वर्ष 2008-09 के दौरान यह जिला बाढ़ से प्रभावहीन रहा।

'पशुपालन तथा डेरी'

38. पशुधन :-

वर्ष 2008 में जिला यमुनानगर में पशुधन की संख्या 364054 तथा कुकुट संख्या 1551173 थी। 2008 में कुल पशुधन में से 29.02 प्रतिशत गाय व बैल, 59.42 प्रतिशत भैंसे, 7.56 प्रतिशत भेड़े-बकरी, 0.40 प्रतिशत घोड़े, टटू व गधे तथा खच्चर तथा 3.61 प्रतिशत ऊँट, सूअर तथा कुत्ते थे।

जिला यमुनानगर में 2008 की पशुगणना के आधार पर प्रति हजार मनुष्यों के पीछे पशु संख्या 103, भैंसे 211, घोड़े, खच्चर और गधे 1, भेडें 15, बकरियां 14, तथा कुकुट आदि 1464 थी।

39. पशु चिकित्सा सेवायें :-

वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में पशु चिकित्सा सेवायें प्रदान करने के लिए 24 पशु चिकित्सालय, 64 पशु चिकित्सा डिसपैन्सरियां कार्यरत थी।

सभी संस्थाओं द्वारा वर्ष 2009-10 में 152000 पशुओं का ईलाज किया गया, इस वर्ष के दौरान 47000 गाय तथा 48000 भैंसों का कृत्रिम गर्भाधान करवाया गया। जिला यमुनानगर में सघन पशुधन विकास परियोजना के अर्न्तगत के अध्यम आकार कि परियोजना कार्य कर रही है। जिसके अन्तर्गत वीर्य बैंक है। जिला यमुनानगर में 2009-10 में 1 विकासित गोशाला थी।

40. डेरी दुग्ध उत्पादन:-

दुग्ध उत्पादन कृषकों के लिए अतिरिक्त आय का एक मुख्य साधन है। 2007 की पशुगणना अनुसार कुल पशुधन अर्थात् 327007 में से 196203 दुधरू पशु थे।

'मछली पालन'

41. वर्ष 2009-10 में मछली पालन से कुल 89380 हजार रुपए की आय हुई तथा वर्ष के दौरान 27 बिना लाईसैंस मछली पकडने वाले केस किये गये।

42. मछली पालन के लिए कुल 394 हैक्टेयर भूमि को प्रयोग में लाया गया । 2235 टन विभिन्न प्रकार की मछली का विपणन हुआ।

'विद्युत'

43. विद्युतीकरण 'शहरी/ग्रामीण':-

जिला में स्थित सभी शहरों तथा गांवों का विद्युतीकरण हो चुका है।

44. नलकूपः-

वर्ष 2009-10 में यमुनानगर विद्युत सर्कल में विद्युतिकृत नलकूपों की संख्या 36930 थी जिसमें 35750 कृषि तथा 1180 जलपूर्ति तथा सिवरेज के नलकूप थे।

45. विभिन्न परियोजनाओं में विद्युत का उपयोगः-

यमुनानगर सर्कल में वर्ष 2009-10 में 7385 कि0 मी0 एल0 टी0 लाईने, 5077 कि0 मी0 11 के0 वी0 लाइन्ज तथा 16148 ट्रांसफार्मर थे। इस प्रकार जिला यमुनानगर में संयोजनों की संख्या 319447 हो गई है। कुल संयोजनों में 75.58 प्रतिशत घरेलु, 10.93 प्रतिशत वाणिज्य, 1.89 प्रतिशत औद्योगिक, 11.19 प्रतिशत कृषि तथा 0.40 प्रतिशत शेष अन्य उपयोगों के लिए थे।

46. जिला यमुनानगर में बिजली का उत्पादन नहीं होता। जिला में वर्ष 2009-10 के दौरान 3630.18 लाख कि0 वाट बिजली की खपत हुई जिसमें 736.51 लाख कि0 वाट घरेलु 184.12 लाख कि0 वाट वाणिज्यिकी, 1076.96 लाख कि0 वाट औद्योगिक, 9.79 लाख कि0 वाट सार्वजनिक प्रकाश, 118.99 लाख कि0 वाट सार्वजनिक जलपूर्ति, 1470.84 लाख कि0 वाट कृषि, शून्य लाख कि0 वाट कार्यालय वर्कशाप इत्यादि तथा 32.97 लाख कि0 वाट भारी मात्रा में उपयोग करने वाले संयोजनों द्वारा खपत की गई।

'खनिज पदार्थ तथा उद्योग'

47. खनिज उत्पादनः-

खनिज पदार्थो के लिए जिला यमुनानगर में पहाड़ी क्षेत्र में लगने के कारण पिछडा हुआ है । जिले में बजरी निकालने के स्रोत यमुना नदी तथा मारकण्डा है ।

48. <u>लघु उद्योग यूनिट :-</u>

वर्ष 2009 में जिला यमुनानगर में कुल 1275 रजिस्टर्ड फैक्टरियां कार्यरत रही। जिसमें 1156 फैक्टरियां धारा 2 एम(i) तथा 10 फैक्टरियां धारा 2एम(ii) व 109 फैक्टरीयां ध1रा 85 के अधीन रजिस्टर्ड थी, जिनमें अनुमानित 40714 कार्यकर्ता कार्य कर रहे थे, जो राज्य के कुल फैक्टरियों के कार्यकर्ताओं का 5.49 प्रतिशत है।

<u>बड़े तथा मध्यम स्तरीय उद्योग यूनिटः-</u>

जिला यमुनानगर में निम्नलिखित बड़े तथा मध्यम स्तर के उद्योग स्थित है।

1. सरस्वती शुगर मिल, यमुनानगर
2. बल्लारपुर पेपर मिल्ज यमुनानगर
3. हरियाणा डिस्टलरी ,यमुनानगर
4. भारत स्टार्च इण्डस्ट्रिज यमुनानगर
5. कृष्णा मैटल वर्क्स ,जगाध्री
6. जगन्ननाथ मैटल इन्डस्ट्रिज जगाध्री
7. जे0 के0 मैटल, इन्डस्ट्रिज जगाध्री
8. साहनी कारपैट , सढौरा

<u>'सड़क तथा परिवहन'</u>

49. <u>सड़कों की लम्बाई :-</u>

लोक निर्माण विभाग 'भवन तथा सड़कें' द्वारा सारा वर्ष सड़कों की देखरेख की जाती है। वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 1099 कि0मी0 पक्की सड़कें थी। वर्ष 2009-10 के दौरान जिला के 612 गांव सड़कों से जुड़े हुए थे1

50. <u>रेलवे स्टेशन एवं हरियाणा परिवहन सुविधा</u> :-

प्रायः जिले के सभी गांव पक्की सड़कों से जुड़े हुये है। वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में हरियाणा परिवहन, यमुनानगर द्वारा निर्मित 5 बस स्टैण्ड सेवायें प्रदान कर रहे है। वर्ष 2009-10 में बसो की सख्या 164 थी जिन्होने 183.42 लाख कि.मी. की दुरी तय की है । वर्तमान में डिपो द्वारा बसे उतर प्रदेश , हिमाचल प्रदेश , पंजाब , राजस्थान तथा जम्मु कश्मीर के यात्रियों को लाने में व ले जाने के लिए प्रयोग में लाई जाती हैं। यात्रीयों को वर्षा व धुप के कारण बचाव के लिए बहुत मार्गो पर यात्री प्रतिक्षालय बनाये गये है । वर्ष 2009-10 में कुल लाभ - 983.63 लाख रुपयें रहा । वर्ष 2009-10 , 447 दुर्धटनाएं हुई थी जिसमें 447 गाडियां दुर्धटनाग्रस्त हुई है । व इन दुर्धटनाओं में 196 व्यक्ति मरे व 367 घायल हुए है ।

‘संचार’

51. <u>डाकघर व तारघर</u> :-

वर्ष 2009-10 में जिले में 122 डाकघर तथा 1 तारघर कार्य कर रहे थे।

52. <u>दूरभाष केन्द्र</u>:-

वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 65 दूरभाष केन्द्रों से जुड़े हुये हैं।

‘श्रम तथा रोजगार’

53. <u>औद्योगिक झगड़े</u>:-

वर्ष 2009 के दौरान जिला यमुनानगर में 155 औद्योगिक झगड़े रिपोर्ट किए गये। वर्ष के दौरान औद्योगिक संगठन में किसी प्रकार की तालाबन्दी व हड़ताल नहीं हुई है। जिले में वर्ष 2009 में श्रमिक संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्टर्ड संघों की संख्या 121 है।

54. <u>रोजगार केन्द्रः-</u>

जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 को 37935 व्यक्ति संगठित क्षेत्र में रोजगार में थे जिनमें से 23216 व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र में तथा 14719 व्यक्ति निजि क्षेत्र में लगे हुये थे।

55. जिला यमुनानगर में 2 रोजगार कार्यालय एवं एक व्यवसायिक मार्गदर्शन हेतु सूचना केन्द्र हैं। इन रोजगार कार्यालयों में वर्ष 2009-10 के दौरान 11535 व्यक्तियों द्वारा रोजगार हेतु पंजीकरण करवाया गया जिसमें कुल पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या 57446 हो गई। इन रोजगार केन्द्रों से 28 नियोजकों द्वारा सेवायें ली गई1

56. जिला यमुनानगर में वर्ष 2009 के दौरान 22674 दुकानों मे 8598 कर्मचारी, 342 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में 1504 कर्मचारी, 321 होटल तथा जलपान गृहों में 649 कर्मचारी कार्यरत रहे।

57. <u>मजदूरी की औसत दैनिक आय :-</u>

वर्ष 2010 के दौरान जिला यमुनानगर में कुशल कार्यकर्त्ताओं जैसे बढ़ई की दैनिक मजदूरी 235.83 रुपये और लौहार की दैनिक मजदूरी 235.83 रुपए थी, हल चलाने वाले कृषि श्रमिक की दैनिक मजदूरी 169.17 रुपए बिजाई के लिए 169.17 रुपए, गोड़ाई 169.17 रुपए, कटाई के लिए 169.17 रुपए तथा अन्य कृषि सम्बन्धी मजदूरी की दर 169.17 रुपए प्रति दिन रही।

<u>'सहकारिता'</u>

58. सहकारिता वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 853 सहकारी समितियां थी जिनके सदस्यों की संख्या 244969 थी।

59. वर्ष के दौरान इन सहकारी समितियों में 50.30 करोड़ रुपए हिस्सा पूंजी, 46. 36 करोड़ रुपए अन्य निजि पूंजी थी जबकि कार्यपूंजी 821.05 करोड़ रुपए रही। इस प्रकार वर्तमान सीमा अनुसार अनुमानित जनसंख्या के आधार पर प्रति व्यक्ति औसत कार्यपूंजी 7882 रुपए थी।

60. प्रति लाख व्यक्तियों पर समितियों की संख्या 88 थी जबकि प्रति हजार जनसंख्या पर सब प्रकार की समितियों के सदसयों की संख्या 202 थी।

61. सभी 853 सहकारी समितियों एवं बैंकों में से 1 केन्द्रीय सहकारी बैंक, 38 कृषि ऋण, 43 गैर-कृषि ऋण, 2 विपणन, 5 गन्ना पूर्ति, 98 दुग्ध-पूर्ति, 51 बुनकर समितियां, 3 उपभोक्ता समितियां/उपभोक्ता स्टोर, 29 आवास समितियां, 10 खेती समीतियां, तथा शेष 572 अन्य प्रकार की समितियां थी।

62. वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 1 केन्द्रीय सहकारी बैंक था । इनमें हिस्सा पूंजी 1189 लाख रुपए, निजि पूंजी 3540 लाख रुपए जबकि कार्यपूंजी 39084 लाख रुपए रही। वर्ष के दौरान इस बैंक द्वारा 17700 लाख रुपए का कर्जा दिया गया।

63. वर्ष 2009-10 में जिला में 1 प्राथमिक भूमि विकास बैंक थे जिनकी हिस्सा पूंजी 532.21 लाख रूपये, निजि पूंजी 567.04 लाख रूपये जबकि कार्य पूंजी 10337.20 लाख रूपये थी। वर्ष के दौरान इन बैंको द्वारा 1953.04 लाख रूप्ये का कर्जा दिया गया जिसमें 1732.14 लाख रूपये का कर्जा भूमि सुधरने हेतु दिया गया।

64. तालिका :- जिला यमुनानगर में केन्द्रीय सहकारी बैक

	2001-02	2004-05	2005-06	2006-07	2008-09	2009-10
हिस्सा पूंजी लाखो में	735.00	761.00	776	997	1135	1189
निजी पूंजी “	1302.93	1743.00	2342	2620	2617	3540
कार्य पूंजी “	16696.32	196470	6251	30451	37574	39084
जमा राशी “	7698.23	9881	12145	13522	17202	21500
वर्ष के दौरान दिया गया कर्जा “	16200.16	19120	26841	21199	17700	17700
लाभ “	145.88	234	158	114	-	114

‘बैंक’

65. जिला यमुनानगर में वर्ष 2010 में 107 अनुसूचित वाणिज्य बैंक के कार्यालय थे।

'शिक्षा'

66. विद्यालय तथा महाविद्यालय :-

जिला यमुनानगर में वर्ष 2008-09 के दौरान 862 प्राथमिक, 276 माध्यमिक तथा 312 उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालय ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान कर रहे थे। इन प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक मान्यता प्राप्त विद्यालयों में क्रमशः 1503, 991 व 6403 अध्यापक कार्यरत थे। इस प्रकार जिला में इन विद्यालयों में कुल 8897 अध्यापक कार्यरत थे।

67. वर्ष 2008-09 के दौरान 249806 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिनमें से 45103, 18.06 प्रतिशत विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयो में, 51678, 20.69 प्रतिशत माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 153025 ,61.26 प्रतिशत विद्यार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

68. वर्ष 2008-09 में जिला यमुनानगर में अनुसूचित जाति के कुल 63452 विद्यार्थियों ने मान्यता प्राप्त विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की जो कुल विद्यार्थियों का 25.40 प्रतिशत हैं इनमे 10075 विद्यार्थी प्राथमिक/पूर्व प्राथमिक विद्यालयो में, 18119 माध्यमिक विद्यालयों में तथा शेष 35258 विद्यार्थी उच्च तथा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे।

तालिका :- मान्यता प्राप्त विद्यालयों में विद्यार्थियों कि संख्या

	कुल विद्यार्थी			अनुसूचित जाति के विद्यार्थी		
	कुल	छात्रा	छात्राएं	कुल	छात्रा	छात्राएँ
प्राथमिक	45103	14850	30253	10075	5254	4821
माध्यमिक	51678	27670	24008	18119	9352	8767
उच्च/वरिष्ट	153025	85972	67053	35258	16411	18847
जोड़	249806	128492	121314	63452	31017	32435

69.	जिला यमुनानगर में वर्ष 2008-09 में प्रति अध्यापक विद्यार्थियों का अनुपात लगभग 30 प्राथमिक, 52 माध्यमिक तथा 49 उच्च एवम् वरिष्ठ माध्यमिक विद़्यालयों का था।

70.	जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 में 8 कला,विज्ञान महाविद्यालयें थे। वर्ष 2009-10 में महाविद्यालयो में 17335 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जिसमे 1822 विद्यार्थी अनुसूचित जाति से सम्बन्धित थे।

71.	अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम - व्यवसायिक शिक्षा के लिए जिला में 2 इन्जिनियरिंग महाविद्यालय, 1 दन्त चिकित्सालय कार्यरत था ।

STUDENTS IN SCHOOLS

NO. OF STUDENTS

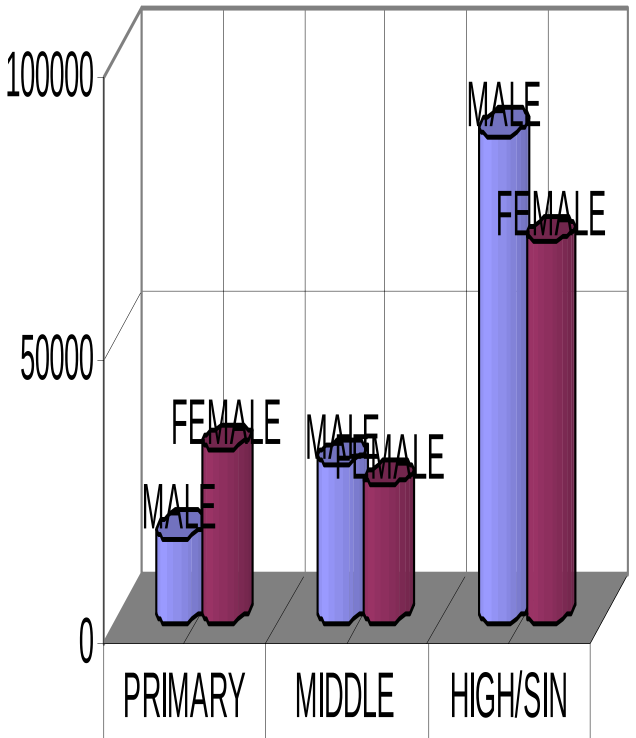

	PRIMARY	MIDDLE	HIGH/SIN
MALE	14850	27670	85972
FEMALE	30253	24008	67053

SCHOOL CATEGORY

SC STUDENTS OUT OF TOTAL STUDENTS

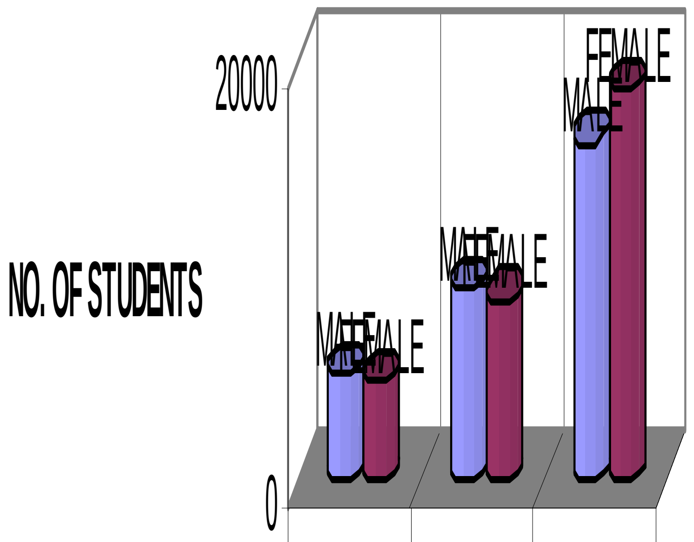

	PRIMARY	MIDDLE	HIGH/SIN
MALE	5254	9352	16411
FEMALE	4821	8767	18847

SCHOOL CATEGARY

चिकित्सा तथा जन स्वास्थय

72. स्वास्थय सेवायें

जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 में राज्य सरकार तथा प्राइवेट संस्थाओं द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की ऐलोपैथी संस्थाओं जिनमें 139 राज्य सरकार द्वारा, 2नहरें वाला एक रेलवे तथा 7 अन्य है । इन संस्थाओं 4 हस्पताल शहरी क्षेत्रो में , 18 प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र जिसमें 14 ग्रामीण क्षेत्रो में तथा 4 शहरी क्षेत्रो में है । , 12 डिस्पैसरी 2 , ग्रामीण क्षेत्रो में तथा 10 शहरी क्षेत्रो में 4 सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र है जिसमें 2 ग्रामीण क्षेत्रा में तथा 2 शहरी क्षेत्रो में है। तथा 111 उपकेन्द्र कार्यरत थे इसके अतिरिक्त जिला में 16 आर्युवैदिक डिस्पैसरी , 3 यूनानी डिस्पैसरी भी चिकित्सा सुविधए प्रदान कर रही है ।

73. वर्ष 2009-10 में सरकारी संस्था द्वारा 605644 रोगियों की चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गई। वर्ष 2009-10 में सरकारी संस्था में 422 बिस्तर उपलब्ध थे। प्रत्येक एक लाख आबादी के लिए 34 रोगी बिस्तर उपलब्ध थे।

74 परिवार कल्याण प्रोग्राम :-

वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 6 परिवार कल्याण केन्द्र कार्यरत थे। वर्ष 2009-10 में नसबन्दी के कुल 2616 केसिज़ किए गए जिसमें से पुरूषों के 534 तथा महिलाओं के 2082 केस थे। वर्ष के दौरान आई0 यू0 डी0 प्रयोग करने वाले व्यक्तियों की संख्या 6852 थी।

75. सुरक्षित पेयजल :-

जिला यमुनानगर में पेयजल परियोजना के अधीन जिले के सभी गांवों को पेयजल सुविध प्रदान की जा चुकी है।

‘कल्याण विभाग अनुसूचित जातियां व पिछड़े’

76. कमजोर वर्ग के कल्याण के लिए विशेष कार्यक्रम जैसे मकान बनाने के लिए कर्जा, मैट्रिक से ऊपर के विद्यार्थियों को छात्रावृति,पुस्तकें एवं लेखन सामग्री खरीदने के लिए बिना ब्याज के कर्जा तथा मफत वर्दियों का बांटना सारा वर्ष प्रगति पर रहा।

77. वर्ष 2009-10 में मकान अनुदान योज़ना ‘‘अनुसूचित-विमुक्त जाति’’के अर्न्तगत 234 परिवारों को 11300000/- रूपये की राशि का अनुदान दिया गया। इस स्कीम में उन व्यक्तियों को जिनके पास कच्चा मकान हो व 50 वर्ग गज का प्लाट हो,उन्हे 10,000 रूपये का अनुदान दिया जाता है। वर्ष 2009-10 में प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना के अर्न्तगत 1365 लाभपात्रों को कुल 1,6152600 रू0 का तथा अर्न्तजातीय विवाह योजना स्कीम के अर्न्तगत 5 लााभपात्रों को कुल 35,00,00 रू0 का अनुदान दिया गया ।इसी प्रकार पोस्ट मैट्रिक स्कालरशीप स्कीम के अर्न्तगत वर्ष 2009-10 में 829 लाभपात्रों को कुल 1899740 रू0 का अनुदान दिया गया ।

78. कानूनी सहायता के अर्न्तगत वर्ष के दौरान सरकार से कोई अनुदान प्राप्त नही हुआ जिससे अनुसूचित जाति के परिवारों को कानूनी सहायता जाती है । इस स्कीम में किसी भी अनुसूचित जाति के व्यक्ति का, जिसका स्वर्ण जाति के व्यक्ति के साथ न्यायालय में मुकदमा चल रहा हो, उसे पैरवी हेतु बतौर वकील की फीस का अनुदान दिया जाता है।

79. अनुसूचित जाति के लाभार्थ हेतू चलाई गई पंचायत प्रोत्साहन स्कीम के अर्न्तगत 2 लााभपात्रों को कुल 1,00,000 रू0 का अनुदान दिया गया ।

80. वर्ष 2009-10 में प्रियदर्शनी विवाह शगुन योजना के अर्न्तगत अनुसूचित, विमुक्त तथा टपरीवास जाति की विधवाओं की 1365 लड़कियों की शादी के लिए स्कीम के अर्न्तगत 16152600/- रूपये के अनुदान की सहायता की गई।

81. पोस्ट मैट्रिक छात्रावृति योजना के अन्तर्गत वर्ष 2009-10 के दौरान अनुसूचित/ विमुक्त जाति के अर्न्तगत आने वाले 1649 विद्यार्थीयों को 1899740 रुपए की राशि वितरित की गई।

82. <u>वृद्वावस्था एवं अन्य पैंशन</u> :-

वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में वृद्वावस्था पैंशन के अन्तर्गत 65027 वृद्वों को कुल 4336.85 करोड़ रुपए, विधवा पैंशन योजना के अन्तर्गत 21004 लाभपात्रा को 1765.44 लाख़ रुपए तथा 7778 विकलांग व्यक्तियों का 488.99 लाख रुपए की राशि पैंशन के रूप में वितरित की गई।

<u>'विविध'</u>

83. <u>नगरपालिकाएं</u>:-

वर्ष 2008-09 में जिला यमुनानगर में स्थित 2 नगरपालिकाओ का अन्तिम शेष (आय -व्यय) 326.00 लाख रुपयें था । वर्ष 2008-09 में 2211 लाख रुपयें आय हुई जिसमें से 1885 लाख रुपयें व्यय किए गये ।

84. <u>जिला राजस्वः-</u>

जिला राजस्व में वर्ष 2009-10 में निम्नलिखित साधनों सें राजस्व की प्राप्ति हुई। हरियाणा सामान्य बिक्री कर से 1243821/- रुपए, केन्द्रीय बिक्री कर से 206252/- रुपए, मनोरंजन कर से 7.46 लाख तथा शो कर से कोई आय नही हुई। जबकि वर्ष 2008-09 में हरियाणा सामान्य बिक्री कर से 13500 लाख रुपए, केन्द्रीय बिक्री कर से 2700 लाख, मनोरंजन कर से 7.46 लाख तथा शो कर से से कोई आय नही हुई थी।

85.. <u>रजिस्ट्रीकरणः-</u>

वर्ष 2007-08 में जिला यमुनानगर में रजिस्ट्री कार्यालयों की संख्या 6 थी जिनमें 18471 अनिवार्य अचल सम्पत्तियां तथा 1943 चल सम्पत्तियों की रजिस्ट्री हुई। इन अन्तरित सम्पत्तियों का मूल्य 7554956 लाख रुपए था। इससे सरकार को 346.93 लाख रुपए की आय हुई।

86. <u>पुलिस तथा अपराधः-</u>

जिला यमुनानगर में वर्ष 2010 में 14 पुलिस स्टेशन तथा 10 पुलिस चौंकियां कार्यरत थी। जिले में इस वर्ष के दौरान 2282 अपराध हुए जिमें से 36 हत्या के, 492 चोरी, 58 हरण, 20 केस लूट के, 191 केस सेंध चोरी तथा 1485 केस विविध अपराधो से सम्बन्धित थे, जबकि वर्ष 2008 में कुल 2073 विभिन्न प्रकार के अपराध हुए।

87. <u>हरियाणा सरकार के कर्मचारीः-</u>

जिला यमुनानगर में 31 मार्च 2009 को हरियाणा सरकार के अधीन कार्यालयों में 12168 कर्मचारी कार्यरत थे जिनमें 8114 पुरूष तथा 4054 महिलाएं थी। जिला में 2852 अनुसूचित जाति के तथा 2677 पिछड़े वर्ग के कर्मचारी थे।

88. <u>तालिका :-जिला यमुनानगर में हरियाणा सरकार के कर्मचारी 31.3.2009</u>

श्रेणी	कुल		अनुसूचित जाति		पिछड़े वर्ग	
	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां	पुरूष	स्त्रियां
वर्ग 1	105	34	8	2	6	0
वर्ग 2	413	134	65	10	84	23
वग 3	4416	1336	930	150	1058	219
वर्ग 4	1776	197	739	104	358	39
फुटकर	468	1763	185	459	47	546
संविधा	932	590	129	71	172	123
तदर्थ/ कार्य प्रभारित	4	0	1	0	2	0
कुल	8114	4054	2056	796	1727	950

HARYANA GOVERNMENT EMPLOYEE IN DISTRICT YAMUNANAGAR

31-03-2009

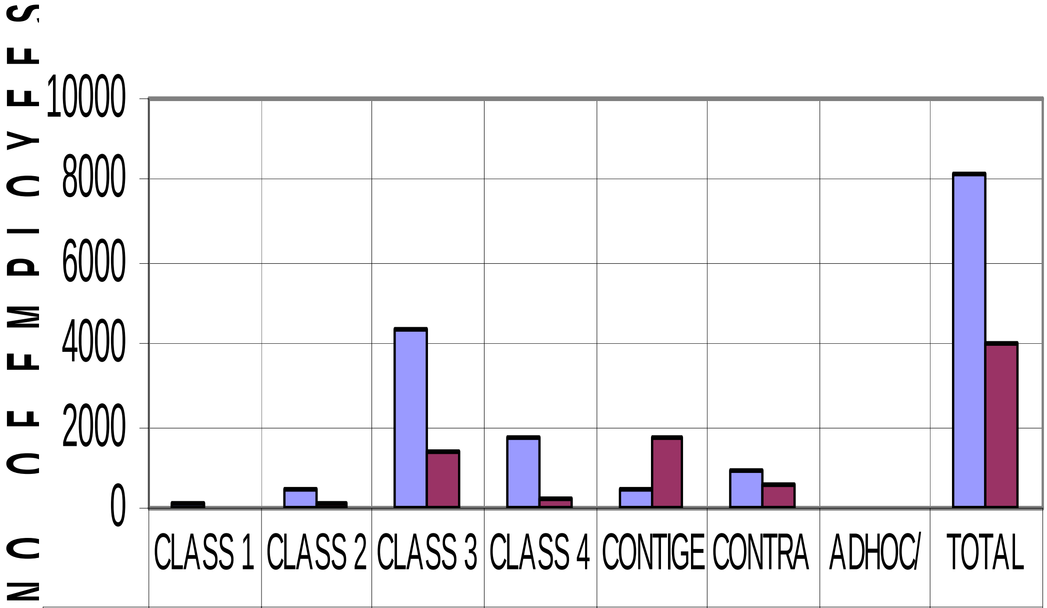

	CLASS 1	CLASS 2	CLASS 3	CLASS 4	CONTIGE	CONTRA	ADHOC/	TOTAL
MALE	105	413	4416	1776	468	932	4	8114
FEMALE	34	134	1336	197	1763	590	0	4054

CLASSES OF EMPLOYEES

NO. OF EMPLOYEES BY CATEGORIES

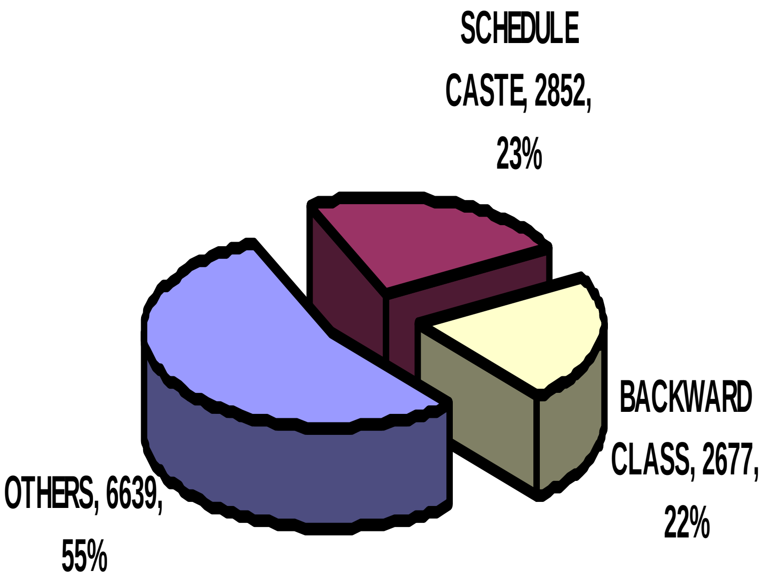

89. <u>टेलीविजन सैट</u> :-

जिला यमुनानगर में वर्ष 2002-03 तक सामुदायिक टेलीविजन लगाने की परियोजना के अन्तर्गत 13 टेलीविजन सैट लगाये गये।

90. <u>बचत</u>:-

वर्ष 2009-10 में जिला यमुनानगर में 243497300 रुपए के किसान विकास पत्र, 706621000 रुपए के मासिक आय योजना, 134095100 रुपए 6 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र में जमा किए गए। इस प्रकार जिला यमुनानगर में वर्ष 2009-10 के दौरान विभिन्न बचत खातों में 2066940278 रुपए की निविल राशि जमा की गई।

91. <u>विकेन्द्रीयकरण :-</u>

जिला यमुनानगर में विकेन्द्रीकरण योजना के अन्तर्गत वर्ष 2009-10 के दौरान 1708.00 लाख रुपए की राशि जिला के विभिन्न विकास कार्यों के लिए जारी की गई।

92. <u>चुनाव एवम मतदाता</u>:-

वर्ष 2009 में जिला यमुनानगर में मतदाताओं की कुल संख्या 623000 है । जो 4 विधान सभा क्षेत्र क्रंमश यमुनानगर जगाधरी ,रादौर, व सढौरा में विभाजित है । लोकसभा चुनाव के लिए रादोर विधान सभा चुनाव क्षेत्र कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट के अर्न्तगत व यमुनानगर, जगाधरी व सढौरा विधानसभा क्षेत्र अम्बाला लोकसभा सीट के अर्न्तगत आती है ।

93. <u>खेलकूद</u>

जिला यमुनानगर में कार्यालय गांव तेजली स्पोटर्स स्टेडियम में स्थित है । खेलों को महत्व देने वाले 60 एकड़ भुमि पर स्टेडियम का निमार्ण किया गया । खेल विभाग हरियाणा द्वारा इस जिले में हाकी, बास्केटबाल , क्रिकेट , कुश्ती, हैडबाल , फुटबाल,योगा एंवम बालीबाल , कबडडी, टेबल टैनिस खेले का प्रशिक्षक नियुक्त किये गये है । जो कि

यमुनानगर के भिन्न-2 सस्थानों में प्रतिदिन प्रातः सांयः खिलाडियों का प्रशिक्षण देते है ।

खेल एंवम युवा कार्यक्रम विभाग हरियाणा द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान जिला यमुनानगर के विभिन्न स्कूलों तथा कालेजों के 81 खिलाडियों को 84000/- रुपयें की छात्रावृति वितरित की गई ।

खेल एंव युवा कार्यक्रम विभाग ,हरियाणा द्वारा वर्ष 2009-10 के दौरान जिला यमुनानगर में 2476500 रूपये की अनुदान राशि दी गई । यह राशि मल्टीपरपज हाल के निर्माण कार्य पर खर्च की गई ।

'परिशिष्ठ–3'

जिला एक दृष्टि में

चुने हुए सूचकांक

1.	जनसंख्या का घनत्व प्रतिवर्ग कि0मी0 2001	589
2.	कुल जनसंख्या पर ग्रामीण जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	62
3.	कुल जनसंख्या पर शहरी जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	38
4.	कुल जनसंख्या पर 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या की प्रतिशतता 2001	14.40
5.	कुल जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	862
6.	ग्रामीण जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	866
7.	शहरी जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	855
8.	0-6 आयुवर्ग की जनसंख्या में लिंगानुपात 2001	806
9.	साक्षरता 2001	
	पुरूष	78.82
	स्त्रियां	63.39
	कुल	71.63
10.	कुल बोये गए क्षेत्र की कुल ग्रामीण क्षेत्र से प्रतिशतता 2008-09	124.42
11.	एक बार से अधिक बोये गये क्षेत्र की कुल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2008-09	41.59
12.	कुल बोये क्षेत्र की कुल निविल बोये गये क्षेत्र से प्रतिशतता 2008-09	171.20
13.	गांव के विद्युतिकरण की प्रतिशतता	100
14.	स्कूल जाने वाले प्रति 1000 बच्चों पर स्कूलों की संख्या 2004-05	
	प्राथमिक	7
	माध्यमिक	14
	उच्चतर/वरिष्ट	3

15. प्रति लाख जनसंख्या के पीछे बिस्तरों की संख्या 2009-10 37

16. प्रति पांच लाख जनसंख्या के पीछे अस्पतालों की संख्या 2009-10 3

17. प्रति 100 वर्ग कि0मी0 क्षेत्रा पर पक्की सतही सड़कों की
लम्बाई कि0मी0 2009-10 65.78

18. प्रति लाख जनसंख्या के पीछे डाकघरों की संख्या 2009-10 11

19. प्रति लाख जनसंख्या पर परिवार कल्याण केन्द्रों की संख्या 2009-10
6